(ख) खोरठा भासा-साहितेक बिकासें 'दूरदर्शन' के बड़का जोगदान रहल हे। आपन गढ़िया बिचार दाय। 20

10. (क) खोरठा पइद साहितेक लेताइरें कबिता लिखेक परंपरा के बखान करा। 20

(ख) खोरठाञ् पइद साहितेक बिकासें खण्ड काइबेक जोगदान गढ़िया हे, आपन बिचार दाय। 20

★★★

Total No. of Printed Pages—4

4CCSME

KHORTHA LANGUAGE AND LITERATURE
खोरठा भाषा और साहित्य

PAPER—I

प्रश्न-पत्र—I

Full Marks : 200 *Time* : 3 hours

पूर्णांक : 200 *समय* : 3 घण्टे

सवालेक जबाब खोरठें दाय

कुल **पाँचगो** सवालेक जबाब दाय। सवाल संइखा **1** जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। सेस दुइयो खण्ड से **दू-दू** सवालेक उत्तर लिखा

1. हेंठें उखरवल (लिखल) कोन्हो **चाइरगो** सवालेक उत्तर दाय (पइत सवालेक जबाब *200* सबदें दाय)— 10×4=40

(क) पुरना परियाक लेताइरें खोरठाक बिकास के बारें बतावा।

(ख) कारक के माने बतावा। 'संज्ञा' सबदेक कारकीय रूप बतावा।

(ग) खोरठा सबद बिचार के मइधें 'लिंग निर्धारण' के नियम बतावा।

(घ) झारखण्डें 'ऑस्ट्रिक' भासा परिवार (अनार्य भाषा) से खोरठाक फरका-फरकी (अन्तर) के बतावा।

(ङ) संइगा (संज्ञा) के माने बता के ओकर खोरठें कतना भेद करल गेल हे? पटतइर दे के उखरावा।

(च) बिसेसन के खोरठें कतना भेद करल गेल हे? पटतइर (उदाहरण) के साथ उखरावा।

(छ) खोरठाक छेतरीय रूप के मइधें परनदिया खोरठाक बिसेसता बतावा।

(ज) खोरठा पर मैथिली के परभाव सिंञांड़ी छेतरें (सीमा क्षेत्र) परल हे, पटतइर (उदाहरण) दाय।

खण्ड—क

2. (क) खोरठाक एकरूपता खातिर 'मानकीकरन' ढेर जरूरी हे। तोंय ई बात से कहाँ तइक सहमत हाय? आपन बिचार दाय। 20

(ख) खोरठाञ्ं मगहीक परभाव के बेस भामें फरीच (स्पष्ट) करा। 20

3. (क) खोरठा भासा के छेतरीय रूप पर बिचार कइर के ओकर मानकीकरन के आधार उखरावा। 20

(ख) खोरठाञ्ं आखर बिचार के लेताइरें देवनागरी लिपि के कोन-कोन आखर गुला के खोरठें उखरवल जाहे आर कोन-कोन आखर गुला के परजोग खोरठें नाञ्ं हे? फरीच करा। 20

4. (क) 'अनेकता में एकता' के भाव भिनु-भिनु छेतरीय भासा के अधियन-अधियापन से पोहपित (पुष्ट) हेवे हे। खोरठा भाखाक लेताइरें फरीच करा। 20

(ख) कोनो भासा के ओकर आपन लिपि हेवेक चाही बा नाञ्ं? लिपि आर भासा के मांझें (मध्य) लस्तंगा (सम्बन्ध) बतावा। 20

5. (क) खोरठा गइद साहितेक लेताइरें उपनियास के बिकास के बारें बतावा। 20

(ख) खोरठा गइदेक बिकासें कहनीक जोगदान के उपरें आपन गढ़िया बिचार दाय। 20

खण्ड—ख

6. (क) झारखण्डें भासा उलगुलान (भाषा-आन्दोलन) पर आपन गढ़िया बिचार उखरावा। 20

(ख) खोरठा साहितेक बरतमान कालेक परबिरतिक उपरें आपन गढ़िया बिचार दाय। 20

7. (क) खोरठाञ्ं रेथ (राग) के माने बताइ के एकर भेद के पटतइर दे के उखरावा। 20

(ख) खोरठा साहितें अलंकार माने की? एक कठिया बा एक सुरिया (अनुप्रास), चाइर मुड़िया अलंकार (श्लेष), उसरवा (दुरुक्ति) अलंकारेक पटतइर दे के फरीच करा। 20

8. (क) साहितें 'छंद' माने की? खोरठा साहितेक लेताइरें मातरिक छंद के दुगो पटतइर दे के फरीच करा। 20

(ख) बिना 'रस' के साहित नाञ्ं हेवे पारे। रस के महातम बताइ के खोरठा साहितेक लेताइरें कोनो चाइरगो 'रस' के पटतइर दाय। 20

9. (क) खोरठा भासाक बिकासें रेडियो के जोगदान सबले गढ़िया हे। सरगेक साड़ा, राँची आर हजारीबाग (आकाशवाणी राँची और हजारीबाग) के लेताइरें फरीच करा। 20